लोक सभा

तारांकित प्रश्ने संख्या *475

27 अप्रैल, 2015 को उत्तणर के लिए

नयी इस्पात परियोजनाएं

***475. श्री शिवकुमार उदासि:**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत दो योजना अवधियों के दौरान निर्माण के लिए चुनी गयी सरकारी और निजी क्षेत्र की इस्पात परियोजनाओं की राज्य-वार संख्या कितनी है;
(ख) इनमें से प्रत्येक परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है और जिन परियोजनाओं को अभी भी पूरा किया जाना है, उनकी राज्य-वार संख्या कितनी है और प्रत्येक मामले में कारण क्या हैं;
(ग) ऐसी इस्पात परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है, जो पूर्ण हो चुकी हैं और अपनी इष्टतम क्षमता से कम उत्पादन कर रही हैं और इसके क्या कारण हैं; और
(घ) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं?

उत्त)र

इस्पातत्और खान मंत्री (श्री नरेन्द्रर सिंह तोमर)

(क) से (घ) : एक विवरण लोक सभा के पटल पर रख दिया गया है।

*****

"नयी इस्पात परियोजनाएं" के बारे में श्री शिवकुमार उदासि, संसद सदस्य द्वारा लोक सभा में दिनांक 27 अप्रैल, 2015 के लिए पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या *475 के भाग (क) से (घ) के उत्तअर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख) : 11वीं और 12वीं योजना अवधि के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र में 8 इस्पातत परियोजनाएं शुरू की गई थीं। इन परियोजनाओं का राज्यपवार ब्यौररा निम्नंवत है:

राज्य का नाम	इस्पा त परियोजनाओं की संख्यां	परियोजना का नाम	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम का नाम	स्थिति
छत्तीिसगढ़	02	नागरनार में एकीकृत इस्पा ात संयंत्र	नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन (एनएमडीसी)	कार्य जारी है।
		भिलाई इस्पाहत संयंत्र का विस्ताएर	स्टीतलअथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)	कार्य जारी है।
झारखंड	01	बोकारो इस्पा त संयंत्र का विस्ता र	स्टीतलअथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)	कार्य जारी है।
पश्चिम बंगाल	02	दुर्गापुर इस्पाीत संयंत्र का विस्तापर	स्टीतलअथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)	कार्य जारी है।
		इस्कोा इस्पा(त संयंत्र का विस्ता र	स्टीतलअथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)	पूर्ण
ओडिशा	01	राउरकेला इस्पालत संयंत्र का विस्तालर	स्टीतलअथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)	पूर्ण
तमिलनाडु	01	सेलम इस्पाित संयंत्र का विस्तासर	स्टीतलअथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)	पूर्ण
आंध्र प्रदेश	01	तरल इस्पामत क्षमता का 3 एमटीपीए से 6.3 एमटीपीए तक का विस्ता र	राष्ट्री□यइस्पा त निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)	कार्य जारी है।

इस्पाेत एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र होने के नाते निजी क्षेत्र में नए इस्पागत संयंत्रों के निर्माण के निर्णय व्यपक्तिगत निवेशकों द्वारा वाणिज्यिक सोच-विचारों के आधार पर लिए जाते हैं। प्राप्तप सूचनानुसार एक मिलियन टन प्रति वर्ष और इससे अधिक क्षमता वाली निजी क्षेत्र की 29 इस्पाोत परियोजनाएं कार्यान्व यन के विभिन्ना चरणों में है।

(ग) और (घ) : इस अवधि के दौरान सेल की तीन इस्पाजत परियोजनाएं नामश: ओडिशा में राउरकेला इस्पाात संयंत्रपश्चिम बंगाल में इस्कोा इस्पासत संयंत्र और तमिलनाडु में सेलम इस्पादत संयंत्र पूरी कर ली गई हैं। इन संयंत्रों में एकीकृत प्रक्रिया रूट के तहत सभी नई सुविधाएं उनकी पूरी क्षमता प्राप्ति करने तक प्रचालन, स्थिरीकरण और रैम्पट-अप की अवस्थाओं पर हैं।

*****